Raj Express, 11th May 2022, Page – 02

आईआईटी इंदौर ने किया आईआईएफएम से एमओयू

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने आईआईएफएम भोपाल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पारस्परिकता और पारस्परिक हित के आधार पर ज्ञान साझा करने के दीर्घकालिक सहयोग और उन्नति के लिए एक रूपरेखा प्रदान की जा सकेगी। एमओयू पर प्रोफेसर सुहास एस जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर और सुभाष चंद्र, आईएफएस, निदेशक, आईआईएफएम, भोपाल ने हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थान प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण, वन, स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण आजीविका और अन्य संबद्ध क्षेत्रों / क्षेत्रों में तकनीकी हस्तक्षेप के उपयोग पर काम करेंगे। यह संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, परामर्श कार्यों और ऐसी अन्य गतिविधियों के माध्यम से होगा। दोनों संस्थानों के संकाय सदस्य, संयुक्त रूप से सामान्य क्षेत्रों में, पीएचडी छात्र का अधीक्षण करेंगे।

सस्टेनेबिलिटी सेंटर शुरु करने पर हुई चर्चा: आईआईटी इंदौर और आईआईएफएम के अधिकारियों की बैठक के दौरान सस्टेनेबिलिटी सेंटर शुरू करने, इको-टूरिज्म और कृषि वानिकी पर एक साथ काम करने की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। आईआईएफएम प्रतिनिधिमंडल की यात्रा आईआईटी इंदौर के प्रतिनिधिमंडल की आईआईएफएम की पिछली यात्रा की पारस्परिक यात्रा थी। आईआईएफएम के प्रतिनिधिमंडल ने, इंदौर क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ वन अधिकारियों के साथ, आईआईटी इंदौर के वन क्षेत्र का दौरा किया और वन क्षेत्र के विकास में आईआईटी इंदौर का मार्गदर्शन करने के लिए सहमत हुए।

एक महीने निःशुल्क देंगे इंटर्नशिप

हाल ही में, आईआईटी इंदौर ने मप्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया, जिसमे राज्य सरकार के इंजीनियरिंग कॉलेजों के 50 मेधावी छात्रों को बिना किसी शुल्क के, एक महीने की इंटर्नशिप / परियोजना दिया जाएगा। इसके अलावा, निःशुल्क आवास और शोध करने का खर्च भी आईआईटी इंदौर द्वारा वहन किया जाएगा।